# शिक्षा की खबर

## फ्लैगशिप योजना में मेवाड़ यूनिवर्सिटी निभाएगी योगदान

चित्तौड़गढ़ | केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से चलाई जा रही फ्लैगशिप योजना के तहत उन्नत भारत अभियान को सफल बनाने में मेवाड़ यूनिवर्सिटी का भी चयन हुआ है। इस अभियान के तहत यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पांच गांवों चौंगावड़ी, डेट, मानसिंहजी का खेड़ा, शिवपुरा, मेडीखेड़ा को गोद लिया है। इन गांवों में यूनिवर्सिटी द्वारा बनाई गई कमेटी केंद्र सरकार की किसान क्रेडिट योजना, उज्जवला, जननी सुरक्षा, पीएम सुरक्षा बीमा, पीएम जनधन योजना समेत अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करेगी। जो लोग अभी

तक इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं, उनको चिन्हित कर एक डाटा तैयार किया जाएगा, जिसे शिक्षा मंत्रालय को भेजा जाएगा। देशभर में से 25 शैक्षणिक संस्थानों को इस अभियान के लिए चयनित किया गया है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि टीम गांवों में लोगों से केंद्र सरकार की योजनाओं और मिलने वाले लाभों का पता लगाएगी। इसके अलावा किसान किन किस्म के बीजों और उर्वरक का इस्तेमाल करते है और कितने हेक्टेयर में कितना उत्पादन, सिंचाई, बिजली, पानी की व्यवस्था को भी शामिल किया है। वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा ने बताया कि यूनिवर्सिटी प्रशासन अपने सामाजिक दायित्वों को निभा रही है। उसे देखते हुए मेवाड़ यूनिवर्सिटी को उन्नत भारत अभियान में शामिल किया है।

Dainik Bhaskar 10-04-2023

# पांच गांवों को गोद लिया मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने

**गंगरार ( प्रातःकाल संवाददाता )।** केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से चलाई जा रही फ्लैगशिप योजना के तहत उन्नत भारत अभियान को सफल बनाने में मेवाड़ यूनिवर्सिटी का भी चयन किया गया है। केंद्र सरकार के इस अभियान के तहत मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने 5 गांवों चौगावड़ी, डेट, मानसिंह जी का खेड़ा, शिवपुरा, मेडीखेड़ा को गोद लिया है। इन गांवों में मेवाड़ यूनिवर्सिटी द्वारा बनाई गई कमिटी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं किसान क्रेडिट योजना, उज्जवल योजना, जननी सुरक्षा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जनधन योजना समेत अनेक योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने का काम करेगी, जो लोग अभी तक इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं, उनको चिन्हित करके यूनिवर्सिटी स्तर पर एक डाटा तैयार किया जाएगा, जिसे शिक्षा मंत्रालय को भेजा जाएगा। इसके बाद मंत्रालय स्तर पर एक कार्ययोजना बनाकर इन छूटे हुए लोगों को योजना से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक देश भर में से 25 शैक्षणिक संस्थानों को इस अभियान के लिए चयनित किया गया है। जिसमे मेवाड़ यूनिवर्सिटी को भी शामिल किया गया है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि टीम गांवों में जाकर स्थानीय लोगों से केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की पहुंच और मिलने वाले लाभों का पता लगाएगी। इसके अलावा किसान किन किस्म के बीजों और उर्वरक का इस्तेमाल करते है और कितने हेक्टेयर में कितना उत्पादन हो रहा है। ग्रामीण स्तर पर सिंचाई, बिजली, पानी आदि की क्या व्यवस्था है आदि बिंदुओं को भी शामिल किया गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा इस हेतु एक डाटा तैयार करके केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

Pratahkal 10-04-2023

# मेवाड़ विवि की टीम ग्रामीणों को फ्लैगशिप योजना की जानकारी देगी

**जननायक | गंगरार।** केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से चलाई जा रही फ्लैगशिप योजना के तहत उन्नत भारत अभियान को सफल बनाने में मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने 5 गांवों चौगावड़ी, डेट, मानसिंह जी का खेड़ा, शिवपुरा, मेडीखेड़ा को गोद लिया है।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. गुलजार अहमद ने बताया कि इन गांवों में मेवाड़ यूनिवर्सिटी द्वारा बनाई गई कमेटी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं किसान क्रेडिट योजना, उज्जवल योजना, जननी सुरक्षा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जनधन योजना समेत अनेक योजनाओं के बारे में लोगों को जागरुक करने का काम करेगी। जो लोग अभी तक इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं उनको चिन्हित कर डाटा तैयार किया जाएगा, जिसे शिक्षा मंत्रालय को भेजा जाएगा। इसके बाद मंत्रालय स्तर पर एक कार्ययोजना बनाकर इन छूटे हुए लोगों को योजना से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीम गांवों में जाकर स्थानीय लोगों से केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की पहुंच और मिलने वाले लाभों का पता लगाएगी। इसके अलावा किसान किन किस्म के बीजों और उर्वरक का इस्तेमाल करते है और कितने हेक्टेयर में कितना उत्पादन हो रहा है। ग्रामीण स्तर पर सिंचाई, बिजली, पानी आदि की क्या व्यवस्था है आदि बिंदुओं को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा ग्रामीण स्तर पर आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए एक विकास योजना बनाकर भी केंद्र सरकार को भेजी जाएगी ताकि बाद में केंद्र सरकार के निर्देशों के आधार पर उसको क्रियान्वयन कर ग्रामीणों की समस्याओं का निवारण किया जा सकें।

Jannayak 10-04-2023